राफेल लड़ाकू विमान बनाने वाली डसाल्ट लखनऊ में खोलेगी सेंटर आफ एक्सीलेंस

- 200 करोड़ रुपये की परियोजना के लिए एकेटीयू में प्रस्तुतीकरण
- पहले चरण में पांच हजार इंजीनियर होंगे तैयार

जासं • लखनऊः राफेल लड़ाकू विमान की आपूर्ति से आकाश में भारत की रक्षा तैयारियों को उड़ान देने के बाद अब फ्रांस की विमान निर्माता कंपनी डसाल्ट एविएशन सिस्टम्स अब यहां इंजीनियरों की पौध भी तैयार करेगी। फ्रांस की कंपनी अब डा. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय (एकेटीयू) में सेंटर आफ एक्सीलेंस स्थापित करने जा रही है, जहां पर पहले पांच वर्ष में पांच हजार इंजीनियरों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

गुरुवार को इन्वेस्ट यूपी की पहल पर डसाल्ट सिस्टम्स के प्रतिनिधि राजा शेखर स्वामी ने एकेटीयू के कुलपति प्रो. जेपी पांडेय के साथ बैठक कर इस प्रोजेक्ट पर विस्तार से चर्चा की और सेंटर आफ एक्सीलेंस से संबंधित प्रस्तुतीकरण भी दिया।

डसाल्ट ने जो प्रस्तुतीकरण दिया है उसके अनुसार कंपनी इस परियोजना पर करीब 200 करोड़ रुपये खर्च करने जा रही है। इसके तहत तीन वर्ष में पांच हजार इंजीनियरों को प्रशिक्षित किया जाएगा। यह प्रशिक्षण अत्याधुनिक क्षेत्रों में होगा जिनमें हाइड्रोजन टेक्नोलाजी, इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) डेवलपमेंट, एयरोस्पेस और डिफेंस टेक्नोलाजी, इंडस्ट्रियल रिसर्च प्रोजेक्ट्स, स्टार्टअप और एडवांस स्किल डेवलपमेंट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) और इंटरनेट आफ थिंग्स (आइओटी) का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अलावा, सेंटर में थ्री-डी डिजाइनिंग, सिमुलेशन और स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग जैसी तकनीकों पर भी ध्यान दिया जाएगा। डसाल्ट सिस्टम्स सिर्फ प्रशिक्षण ही नहीं देगा बल्कि प्रशिक्षित इंजीनियरों को कंपनी में नौकरी भी देगा। एकेटीयू को एक हब के रूप में विकसित करेगी, जिससे प्रदेशभर के संबद्ध संस्थानों के छात्र भी लाभान्वित हो सकेंगे। कुलपति प्रो. जेपी पांडेय ने सुझाव दिया कि पांच हजार के बजाय 10,000 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया जाए ताकि अधिक से अधिक युवाओं को तकनीकी कौशल और रोजगार का लाभ मिल सके। कुलपति ने बताया कि डसाल्ट का यह सेंटर छात्रों को विश्वस्तरीय तकनीकी ज्ञान मिलेगा और वे वैश्विक कंपनियों में नौकरी पाने के योग्य बन सकेंगे। कुलसचिव रीना सिंह, डीन इनोवेशन प्रो. बोएन मिश्रा, एसोसिएट प्रोफेसर डा. अनुज कुमार शर्मा, इनवेस्ट यूपी के एजीएम रितेश सक्सेना और इनोवेशन हब की मैनेजर वंदना शर्मा भी मौजूद रहीं।

एकेटीयू में फ्रांसीसी कंपनी डसाल्ट के प्रतिनिधि संग कुलपति प्रो. जेपी पांडेय • जागरण

ब्रह्मोस मिसाइल प्रोजेक्ट को मिलेगा बड़ा लाभ

डसाल्ट की ट्रेनिंग से लखनऊ डिफेंस कारिडोर और ब्रह्मोस मिसाइल प्रोजेक्ट को बड़ा लाभ मिलेगा। प्रशिक्षण पाने वाले विद्यार्थी एयरोस्पेस, रक्षा तकनीक, थ्री-डी डिजाइनिंग और स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग में दक्ष होंगे, जिससे मिसाइल निर्माण, आधुनिक हथियार प्रणाली और रक्षा उपकरणों के स्वदेशी उत्पादन को मजबूती मिलेगी। यह प्रदेश को रक्षा उत्पादन हब बनाने में मदद करेगा।